

‘अमेरिका फर्स्ट’ बनाम ‘इंडिया फर्स्ट’

सन्दर्भ

- “हम आज एक नया फरमान जारी कर रहे हैं जो विश्व के अन्य देशों की राजधानियों में पहुँचे, वह फरमान है- अमेरिका फर्स्ट, अमेरिका फर्स्ट और अमेरिका फर्स्ट”। जी हाँ! ये अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उद्गार हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के इस फरमान को विभिन्न देशों ने भिन्न-भिन्न प्रकार से सुना जिससे आने वाले कल को लेकर अनिश्चिन्ता और बढ़ गई है। लेकिन अहम सवाल यह है कि अमेरिका फर्स्ट के इस फरमान को नई दिल्ली ने किस प्रकार से सुना है?
- वाशिंगटन डीसी में मौजूद बहुत से राजनयिकों का मानना है कि वर्तमान भारत-अमेरिका संबंध, अमेरिका द्वारा दिखाई गई दयालुता की देन हैं। अमेरिका में नीति-निर्माता अपनी दयालुता का बखाना किस हद तक करते हैं, इसका अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में अमेरिका की कूटनीतिक विशेषज्ञ ऐश्ले टेलिस ने कहा था कि “भारत के साथ अमेरिका के संबंध सुधारने की दृष्टि में कदम बढ़ाने का उद्देश्य एशिया में अमेरिका की भू-राजनैतिक नीतिको मज़बूती देना था, कई बार तो भारत के किसी प्रयास से अपेक्षित लाभ न मिलने की स्थिति में भी अमेरिका ने संबंधों में प्रगाढ़ता बनाए रखी और इसे अमेरिका की दयालुता ही माना जाएगा”।

अमेरिका फर्स्ट का आधार क्या है?

- दरअसल, ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट की नीतिके दो आधार हैं- व्यावहारिक और वैचारिक। ट्रम्प का मानना है कि प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय सहभागिता में अगर अमेरिका ने कुछ पाया है तो कुछ खोया भी है, लेकिन अब वह समय आ गया है कि अमेरिका को किसी भी प्रकार की नैतिक ज़िम्मेदारी का बोझ उठाने की ज़रूरत नहीं है। मसलन, लोकतंत्र, मानवाधिकार, और मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने में अब तक अमेरिका आगे बढ़कर ज़िम्मेदारियाँ उठाता रहा है, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट नीतिके इन सभी बातों के लिये अब कोई जगह नहीं है।
- वस्तुतः यह हुआ अमेरिका फर्स्ट का व्यावहारिक पक्ष, अब हम बात करते हैं इसके वैचारिक पक्ष की।
- वैचारिक स्तर पर ट्रम्प का मानना है कि जूदेव ईसाई सभ्यता (जेवशि और ईसाई सभ्यता) के अस्तित्व पर ही संकट है और इस संकट का कारण इस्लाम है। अतः इस संबंध में साझेदारियाँ बनाने की ज़रूरत और इस्लाम के विरुद्ध युद्ध छेड़ने की आवश्यकता है। ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट नीतिके इस बात की झलक पहले ही मलि चुकी है। वदिति हो कि हाल ही में ट्रम्प ने कुछ मुस्लिम देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है।
- उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रम्प व्यावहारिक और वैचारिक दोनों ही मोर्चों पर भारत से सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं, हालाँकि इस बात को लेकर अनिश्चिन्ता बनी हुई है कि भारत को लेकर अमेरिका की आकांक्षाएँ क्या हैं, लेकिन फिर भी बहुमुखी ट्रम्प को देखकर यह अंदाज़ा तो लगाया ही जा सकता है कि वे भारत से क्या चाहते हैं! इससे पहले कि हम इस सन्दर्भ में समस्याओं पर गौर करें यह समझना दलिचस्प होगा कि जिसे हम ‘इंडिया फर्स्ट’ कह रहे हैं, वह है क्या?

इंडिया फर्स्ट के मायने

- किसी भी देश की वदिश नीतिका उस देश के इतिहास से गहरा सम्बन्ध होता है। भारत की वदिश नीतिका इतिहास और स्वतन्त्रता आन्दोलन से सम्बन्ध रखती है। ऐतिहासिक वरिसत के रूप में भारत की वदिश नीतिका आज उन अनेक तथ्यों को समेटे हुए है जो कभी भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन से उपजे थे।
- शान्तपूरण सह-अस्तित्व व विश्व शान्तिका वचिर हज़ारों वर्ष पुराने उस चिन्तन का परिणाम है, जिसे महात्मा बुद्ध व महात्मा गांधी जैसे वचिरकों ने प्रस्तुत किया था। इसी तरह भारत की वदिश नीतिका उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद व रंगभेद की नीतिका वरिध महान राष्ट्रीय आन्दोलन की उपज है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में अपनी सांस्कृतिक वरिसत को बचाए रखना ही इंडिया फर्स्ट है।
- यदाहिम अपने आर्थिक इतिों को थोड़े समय के लिये परे रख दें तो भी ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट की नीतिका और भारत की इंडिया फर्स्ट में टकराव अवश्यम्भावी है। हालाँकि, यह टकराव इस बात पर निर्भर करता है कि हिम इंडिया फर्स्ट को लेकर कतिने गंभीर हैं।

अमेरिका फर्स्ट से उपजी समस्याएँ

- आतंकवाद के मोर्चे पर अमेरिका का पाकिस्तान पर नकेल कसना भारत के लिये फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ट्रम्प द्वारा ईसाईयत को बढ़ावा देने के कदम का भारत कैसे सामना करेगा? गौरतलब है कि भारत में एनजीओ को मलिने वाले अवैध दान के सन्दर्भ में भारत की चिन्ताएँ अभी बढ़ी हुई हैं।
- डोनाल्ड ट्रम्प ने ‘अमेरिका फर्स्ट’ का नारा उछालते हुए राष्ट्रपति चुनाव लड़ा। राष्ट्रपति बिनते ही इस पर अमल करने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई। गौरतलब है कि ट्रम्प ने कहा था कि ‘हमारे देश की आवरण नीतिका इस रूप में तैयार और लागू की जानी चाहिये, जिसमें अमेरिकी हित प्रथम एवं सर्वोपरि रहें’। इसका व्यावहारिक असर यह हुआ है कि वदिशियों के लिये अमेरिका का एच-1 बी वीज़ा हासिल करना मुश्किल होने जा रहा है।

- वदिति हो कऱ ओबऱमऱ प्रऱशऱसन के दूरऱन ढऱरत-अडेरकऱ संढंढ नई ँऱऱईयों पर पहुँचे थे। अडेरकऱ कऱ डकसद ँक ओर जहाँ ढऱरत के ढढ़ते ढऱऱऱर डें अडनी अधकऱतड डडसुथऱतऱ दर्रऱ करऱनऱ थऱ, तऱ वही दूररी तरफ ँशऱयऱ डें चीन के ढढ़ते प्रडुतुव कऱ रऱकनऱ डी थऱ ।
- ओबऱमऱ प्रऱशऱसन चीन कऱ रऱकने के संढंढ डें ढऱरत कऱ चऱतऱओं के प्रतऱ संवेदनशील थऱ लेकनऱ टरडुड से डी वैसी ही डडुडी नही कऱ जऱ सकतऱ । कऱ डऱ हऱगऱ डदऱ अडेरकऱ ढऱरत से चीन के खलऱऱ कऱसी अभऱयऱन के लऱडऱ डसकऱ जऱडऱन के डसुतेडऱल कऱ अनुडतऱ डऱंगेगऱ? अब तक अडनी सडुडरडुतऱ कऱ अडनी नऱक ढनऱँ रऱखने डें कऱडडऱड ढऱरत के डऱस कऱ वकऱलुड हऱगऱ, डऱ ँक ढड़ऱ सवलऱ डै ।

नडऱकरष

- हऱल ही डें अडेरकऱ डें ढऱरत के रऱजदुत से टरडुड ने कऱ थऱ कऱ 'ऱडके प्रऱधऱनडंतुरी ँक अऱऱे इंसऱन डै' । हऱलऱंकऱ अनुड चऱतऱओं डें डलऱऱे टरडुड के ँऱेडे डें अभी ढऱरत नही डै । जऱऱऱत हऱ कऱ हऱल ही डें ढऱरत कऱ डऱतुरऱ डर ँऱँ अडेरकऱ के ँक प्रडुख सैनुड अधकऱरी ँडडरऱल डैरी डैरऱसऱ ने डऱंग कऱ थी कऱ ढऱरत संघऱर संगततऱ ँर सुरकषऱ सडऱऱते (Communications Compatibility and Security Agreement-COMCASA) डर हसुतऱकषर करे । डस सडऱऱते डर हसुतऱकषर के ढऱद ढऱरत-अडेरकऱ दवऱरऱ चीनी जऱहऱऱऱऱ कऱ संडुकुत नऱगरऱनी कऱ जऱ सकतऱ डै । हऱलऱंकऱ, ढऱरत ने अब तक डस डर हसुतऱकषर नही कऱडऱ डै ।
- वऱशऱषजऱऱों कऱ डऱही डऱननऱ डै कऱ अभी ढऱरत कऱ लऱ डुरऱडऱल रऱहने कऱ जऱरुरत डै । हऱ सकतऱ डै कऱ अडेरकऱ, चीन कऱ सऱधने कऱ अडनी नीतऱ डें दकषणऱ कऱरडऱ, जऱडऱन ँर ँसुटुरेलडऱ डैसे देऱशों डर नरऱडर रहे । अतः डऱ ढऱरत के हतऱ डें हऱगऱ कऱ ढऱरत-अडेरकऱ संढंढों कऱ सुवऱलतऱ डऱड डें डऱलकर कुऱऱ सडड के लऱडऱ शऱंत रऱहऱ जऱँ । डदऱ ढऱरत ने सुवडं कऱ ढढ़-ऱदुकर अडेरकऱ कऱ सहडऱगऱ दरशऱने कऱ चेऱुटऱ कऱ तऱ शऱडद ढऱरत कऱ वैशुवकऱ नीतडऱऱों डी डनही अनशऱऱऱतऱऱओं कऱ शकऱर ढन जऱँ जसऱकऱ अभी अडेरकऱ कऱ नीतडऱऱों डै ।
- ढऱरत कऱ ँनँसऱऱी कऱ सदसुड ढनऱने डें डी अब अडेरकऱ कऱ डुडकऱ सीडऱतऱ हऱ गऱई डै । हऱलऱंकऱ, ढऱरतऱडऱ प्रऱधऱनडनुतुरी नरेनुदुर डऱदी ँर अडेरकऱ रऱषुटुरडतऱडऱनऱलुड टरडुड डें वैऱऱरकऱ सडऱनतऱ तलऱश रहे लऱगऱों कऱ ढऱरत-अडेरकऱ संढंढों कऱ डवऱषऱड डजुजुवल दखऱई दे रऱहऱ डै । खैर, जऱ डी हऱ डऱनऱलुड टरडुड के अडेरकऱ डरसुट के डरडऱन से वैशुवकऱ रऱजनीतकऱ डऱहऱल डें ँडुलऱऱल ढदलऱव देखने कऱ डलऱ रहे डै, ढस डे ढदलऱव कऱसी तूडऱन के ँने के संकऱत न हऱँ ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-first-versus-america-first>

